ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 16-11-2021

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2021-11-16 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2021-11-17	2021-11-18	2021-11-19	2021-11-20	2021-11-21
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	26.0	26.0	26.0	27.0	28.0
न्यूनतम तापमान(से.)	11.0	11.0	12.0	12.0	11.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	85	80	75	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	45	45	40	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4.0	4.0	4.0	4.0	4.0
पवन दिशा (डिग्री)	310	100	310	310	310
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	2	3	1	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

विगत सात दिनों (9 – 15 नवम्बर, 2021) में 0.0 मिमी वर्षा हुई व आसमान साफ रहा। अधिकतम तापमान 27.5 से 29.0 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 12.1 से 13.4 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 89 से 95 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 33 से 42 प्रतिशत एवं हवा 0.4 से 1.1 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से चली। आगामी पांच दिनों में मौसम साफ रहेगा। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 26.0 से 28.0 व 11.0 से 12.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 4.0-6.0 किमी/घंटे की गति से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 21 से 27 नवम्बर के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से कम तथा अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) से डाउनलोड किया जा सकता है| भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त एनडीवीआई व एसपीआई मानचित्रों ने संकेत दिया कि उधम सिंह नगर के लिए एनडीवीआई 0.1-0.4 के बीच है, यानी जिले में कृषि स्थिति मध्यम से अच्छी है तथा एसपीआई मैप 14 अक्टूबर से 10 नवम्बर तक अत्यधिक नमी की स्थिति को दर्शाता है। रबी की फसलों की बुवाई से पहले किसान अपने-अपने खेतों को अच्छी प्रकार से साफ-सुथरा करें तथा खेत में सड़े गोबर की खाद का उपयोग करें क्योंकि यह मृदा के भौतिक तथा जैविक गुणों को सुधारती है तथा मृदा की जल धारण क्षमता भी बढ़ाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में मौसम शुष्क रहेगा| रबी फसलों की बुवाई हेतु खेत जुताई एवम् बीज बुवाई कार्य जारी रखें। बुवाई पूर्व बीज शोधन अवश्य करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
जौ	माह के द्वितीय पखवाड़े में, सिंचित दशा में जौ की बुवाई करें।
मसूर की दाल	पिछले माह असिंचित दशा में बोई गई फसल में 25-30 दिन की अवस्था पर निराई गुड़ाई कर खरपतवारों को निकाल लें।
चना	चने की सामान्य बुवाई नवम्बर के दूसरे पखवाड़े में पूरा कर लें। सिंचित दशा में, चने की पंत काबुली चना 1, 2 आदि प्रजातियों की बुवाई करें। उन्नतशील प्रजातियों की बुवाई सिंचित दशा में 45 सेमी की दूरी पर बने लाईनों में 6-8 सेमी गहराई पर करें। बुवाई से पूर्व स्वयं उत्पादित बीजों को बीज जनित रोगों से बचाव हेतु सर्वप्रथम थायरम के 2 ग्राम/किग्रा बीज से शोधित करें तथा बाद में जैव उर्वरकों से उपचारित करना चाहिए।
जई	जई की बुवाई पूर्ण करें। जई की उन्नतशील किस्में कैन्ट, यू पी ओ-94, यू पी ओ-212 आदि का प्रयोग करें।
गन्ना	शरदकालीन गन्ने में बुवाई के 25-30 दिन पर निराई-गुड़ाई करें। आवश्यकतानुसार बुवाई के 30-40 दिन बाद सिंचाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आम	अगर बगीचों की सफाई व जुताई न हुई हो तो इसे शीघ्रातीशीघ्र पूर्ण करें। जाला कीट का प्रकोप होने की दशा में जाला साफ करने वाले यंत्र से सफाई करें तथा क्लीनालफॉस 2 मि0ली0/ली0 के हिसाब से छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	पशुओ का ठंड से बचाने हेतु उचित व्यवस्था करें। पटेरा रोग से बचाव हेतु प्रसव होने के 10 दिन पश्चात् 10-15 सी0सी0 नीम का तेल नवजात को पिला दें। तदुपरांत 10 दिन पश्चात् पुनः 10-15 सी0सी0 नीम का तेल पिला दें। बथुए का तेल इसका रामबाण इलाज है।